2023
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

निर्देश :

(i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड – क

1. (क) 'आचरण की सभ्यता' निबन्ध के लेखक हैं : **[1]**

(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) अध्यापक पूर्ण सिंह (iv) सम्पूर्णानन्द

(ख) 'हिन्दी नयी चाल में ढली' यह कथन किस लेखक का है ? **[1]**

(i) बालकृष्ण भट्ट (ii) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) 'उसने कहा था' कहानी के लेखक हैं : **[1]**

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(घ) 'चिन्तामणि' निबन्ध संग्रह के लेखक हैं : **[1]**

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी (iv) रामचन्द्र शुक्ल

(ङ) 'कर्म का सिपाही' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) प्रेमचन्द (ii) अमृत राय

(iii) यशपाल (iv) जैनेंद्र

2. (क) 'प्रिय प्रवास' के रचयिता हैं : **[1]**

(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) सियारामशरण गुप्त

(iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित में से 'छायावाद' के कवि हैं : **[1]**

(i) परमानंद दास (ii) सूरदास

(iii) चतुर्भुज दास (iv) मुकुटधर पाण्डेय

(ग) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि छायावाद युग का नहीं है ? **[1]**

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) महादेवी वर्मा (iv) 'अज्ञेय'

(घ) 'रश्मिरथी' किस कोटि की रचना है ? **[1]**

(i) महाकाव्य (ii) खण्डकाव्य

(iii) मुक्तक (iv) गद्यकाव्य

(ङ) 'बादल को घिरते देखा है' रचना है : **[1]**

(i) मुक्तिबोध की (ii) नागार्जुन की

(iii) त्रिलोचन की (iv) अज्ञेय की

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

पृथ्वी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है। समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है। किसी जन को छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी। राष्ट्र के शरीर के एक भाग में यदि अन्धकार और निर्बलता का निवास है, तो समग्र राष्ट्र का स्वास्थ्य उतने अंश में असमर्थ रहेगा।

(i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें क्यों लेनी चाहिए ?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) राष्ट्र किसे पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता है ?

(v) समन्वय के मार्ग से क्या प्राप्त हो सकता है ?

अथवा

कहते हैं दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है। केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है।

शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) अशोक को विस्मृत करने का आधार किसे माना गया है ?

(iv) लेखक ने दुनिया का किस तरह का व्यवहार बताया है ?

(v) स्वार्थ का अखाड़ा किसे कहा गया है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

जलधि के फूटे कितने उत्स
द्वीप, कच्छप डूबे-उतराय;
किन्तु वह खड़ी रहे दृढ़ मूर्ति
अभ्युदय का कर रही उपाय।
शक्ति के विद्युत्कण, जो व्यस्त
विकर बिखरे हैं, हो निरुपाय;
समन्वय उसका करे समस्त
विजयनमनी मानवता हो जाय।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) दृढ़ मूर्ति से आशय किसकी मूर्ति से है ?

(iv) 'उत्स' और 'अभ्युदय' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(v) द्वीप - कच्छप में कौन-सा अलंकार है ?

अथवा

तुम मांसहीन, तुम रक्तहीन
हे अस्थिशेष, हे अस्थिहीन,
तुम शुद्ध बुद्ध आत्मा केवल,
हे चिरपुराण ! हे चिर नवीन।
तुम पूर्ण इकाई जीवन की,
जिसमें असाह भव - शून्यों लीन,
आधार अमर, होगी जिस पर
भावी की संस्कृति समासीन।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कौन हड्डियों का ढाँचा मात्र प्रतीत होते हैं ?

(iv) गाँधीजी को कवि ने चिरपुराण तथा चिर नवीन क्यों कहा है ?

(v) गाँधीजी के आदर्शों पर भविष्य में किसे खड़ा होना पड़ेगा ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी (iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुवतारा' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[5]**

अथवा

'बहादुर' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **[5]**

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[5]**

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान स्पष्ट कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' के आधार पर धृतराष्ट्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' के नायक कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिए।

(iv) "आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य में सत्य-अहिंसा का सुन्दर समन्वय है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए। **अथवा** 'आलोक - वृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है ? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए। **अथवा** 'त्यागपथी' के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र चित्रण कीजिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य में दशरथ का चरित्र चित्रण कीजिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर विचार कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) दिए गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

अथैषः शकुनिः सर्वेषाम् मध्ये ऽष्टादशाशयग्रहार्थं त्रिरकृत्व् अश्रावयत्। ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत, ◌ अस्म एतस्मिन् राज्याभिषेके एवं रूपं मुखं, क्रद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोककताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्ताः इव तत्र तत्रैव धक्षयामः। ईदृशो राजा मह्यं न रोचते।'

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परम्द्यु इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परं मैत्री सहयोगकारिणः विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनामकस्य श्रीजवाहिरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रिद्वारेण चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तमधिकृतैव अभवत्।

(ख) दिए गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षें प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) जले पर नमक छिड़कना (ii) आँख का तारा होना (iii) अपना उल्लू सीधा करना (iv) हवा से बातें करना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए : **[1]**

(i) 'निस्सन्देह' का सही सन्धि-विच्छेद है :

(अ) नन् + सन्देह (ब) निस् + सन्देह (स) निसं + देह (द) निस्सन्दे + ह

(ii) 'इत्यादि' का सही सन्धि विच्छेद है : **[1]**

(अ) इत + आदि (ब) इति + आदि (स) इतम् + आदि (द) इत्याः + दि

(iii) 'स्वागतम्' का सही सन्धि विच्छेद है : **[1]**

(अ) सु + आगतम् (ब) स्वा + गतम् (स) सु + अगतम् (द) सः + आगत

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध 'विभक्ति' और 'वचन' बताइये : **[1]**

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन :

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन (ब) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन (द) पंचमी विभक्ति एकवचन

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन हैं : **[1]**

(अ) चतुर्थी विभक्ति एकवचन (ब) तृतीय विभक्ति, बहुवचन (स) पञ्चमी विभक्ति एकवचन (द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : **[1]**

(i) अविराम - अभिराम :

(अ) लगातार और रुचिकर (ब) बिना रोक के और सुन्दर (स) अनवरत और आकर्षक (द) सुन्दर और आकर्षक

(ii) विहग – विहंग : **[1]**

(अ) पक्षी और बालक (ब) पक्षी और तोता (स) पक्षी और आकाश (द) आकाश और पक्षी

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) शिखा (ii) पूत (iii) पक्ष (iv) काण्ड

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) रास्ता दिखाने वाला :

(अ) दूरदर्शी (ब) समदर्शक (स) मार्गदर्शन (द) प्रियदर्शी

(ii) जिसका कोई अन्त न हो : **[1]**

(अ) असीम (ब) अनन्त (स) परम (द) विस्तृत

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) श्याम और मोहन बात कर रहा है। (ii) प्रधानाचार्य जी ने हस्ताक्षर कर दिया।

(iii) मैं गृहकार्य कर लिया हूँ। (iv) चन्द्रमा आकाश में निकलता था।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'वात्सल्य' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

13. शिक्षा ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक प्रबन्धक को आवेदन पत्र लिखिए। **[2 + 4]**

अथवा

नगर में अतिक्रमण की समस्या के निवारण हेतु महापौर को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : **[2 + 7]**

(i) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता (ii) महापुरुषों के सम्बन्ध में जागरूकता के उपाय (iii) मेरे प्रिय उपन्यासकार (iv) भारतीय कृषकों की समस्या एवं समाधान (v) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व।